भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 316

मंगलवार, 20 जुलाई, 2021/29 आषाढ़, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

ग्रामीण पर्यटन में पूंजी की कमी

316 श्री अखिलेश प्रसाद सिंह:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पर्यटन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक है जबकि वर्तमान में इसका योगदान केवल 0.38 प्रतिशत है और अन्य देशों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 10 प्रतिशत होटल हैं और ग्रामीण पर्यटन बाजार भी विकसित नहीं है और इनका प्रभावी ढंग से सवंर्धन नहीं किया जा रहा है;

(ख) यदि हाँ, तो ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सड़क परिवहन, हवाई पत्तन प्रबंधन और बिजली जैसी अवसंरचनात्मक सुविधाओं को बेहतर बनाने हेतु सरकार द्वारा तैयार की गई योजनाएं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या बिहार में ग्रामीण पर्यटन में पूंजी की अत्यधिक कमी है; और

(घ) क्या सरकार ने पूंजी की कमी का समाधान करने के लिए कोई प्रभावी योजना तैयार की है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने देश में अंतिम छोर तक सम्पर्कता सहित पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए थीम आधारित पर्यटक परिपथों के एकीकृत विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना शुरू की है।

स्वदेश दर्शन योजना का उद्देश्य स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से रोजगार सृजित और समुदाय आधारित विकास और गरीबोन्मुख पर्यटन दृष्टिकोण का संवर्द्धन करना है।

देश में ग्रामीण पर्यटन की क्षमता को स्वीकारते हुए, मंत्रालय ने इस योजना के तहत विकास के लिए थीमेटिक परिपथों में से एक के रूप में ग्रामीण परिपथ को अभिज्ञात किया है और इसका उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था के पुनरूद्धार के लिए एक फोर्स मल्टीप्लायर के

रूप में पर्यटन का उत्थान तथा घरेलू एवं अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों को देश के ग्रामीण स्वरूप की झलक दिखलाना है।

ग्रामीण पर्यटन परियोजनाओं/प्रस्तावों सहित पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से परिपथ के तहत विकास के लिए की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, संबंधित योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन, और पहले जारी की गई निधियों के उपयोग की शर्त पर स्वीकृत की जाती है।

उपरोक्त मानदंडों के आधार पर, पर्यटन मंत्रालय ने बिहार सहित देश में स्वदेश दर्शन योजना के तहत ग्रामीण परिपथों के विकास के लिए निम्नलिखित परियोजनाओं को स्वीकृति दी है:

(करोड़ रुपये में)

क्र. सं.	**राज्य/स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1	बिहार 2017-18	गांधी परिपथ: भितिहारवा-चंद्रहिया-तुर्कौलिया का विकास	44.65
2.	केरल 2018-19	मालानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	80.37

ग्रामीण पर्यटन की विशाल क्षमता को देखते हुए**, यह** प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक के रूप में उभरा है। तदनुसार पर्यटन मंत्रालय ने **"भारत में ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए राष्ट्रीय रणनीति और रूपरेखा - आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक पहल" का एक मसौदा तैयार किया है। दस्तावेज़ को अधिक व्यापक बनाने के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने चिन्हित केंद्रीय मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों और उद्योग** हितधारकों **से राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप के मसौदे पर प्रतिक्रिया/टिप्पणियां/सुझाव मांगे हैं।**

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार अपनी चल रही गतिविधियों के हिस्से के रूप में प्राचीन विरासत और संस्कृति सहित एक समग्र पर्यटन स्थल के रूप में भारत का संवर्द्धन करता है, ग्रामीण पर्यटन सहित देश में पर्यटन उत्पादों और गंतव्यों के संवर्द्धन के लिए अतुल्य भारत ब्रांड -लाइन के तहत घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन और आउटडोर मीडिया अभियान जारी करता है। मंत्रालय अपनी वेबसाइट और समय-समय पर तैयार की गई प्रचार और संवर्धन सामग्री के माध्यम से भी पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों को बढ़ावा देता है।

****